आणविक तत्वों के अणु भिन्न हो सकते हैं। ऐडिलिलेंट, द्रव्यमान तथा ऊर्जा निश्चित परिस्थितियों में एक-दूसरे से विभाजित होते हैं। इस मामले में, प्रक्रिया को एक छोटी मात्रा में ऊर्जा में बदल दिया जाता है। इस मामले में, एक छोटी सी मात्रा में बहुत अधिक नुकसान नहीं हो सकता। इस प्रक्रिया के दौरान भी कई उप-संत्रीय परमाणु परमा